

## स्वाधीन छात्रावास, जयपुर

### 1. नाम व पता — स्वाधीन छात्रावास, जयपुर

सूचना केन्द्र के पीछे, टोंक रोड़, जयपुर

**2. इतिहास** — जयपुर शहर में किसान परिवार के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा ग्रहण करने के सपनों को साकार करने के लिए यहाँ रहने हेतु छात्रावास नहीं होने के कारण बहुत ही परेशानी होती थी। प्रतिभाशाली गरीब विद्यार्थी विधायकों के राजकीय आवास पर रहते थे, लेकिन अधिकतर को मुश्किलें आती थी। श्री मोती लाल चौधरी विधायक ने रामसिंह रोड़ पर एक पुरानी बिल्डिंग में स्वाधीन छात्रावास आरम्भ किया, जिसमें 10—15 लड़के रहते थे, लेकिन वे असामाजिक तत्वों से परेशान थे। दूसरी तरफ समाज की जरूरतमंद प्रतिभाओं को जयपुर में छात्रावास सुविधा एवं मार्गदर्शन देने के लिए दबंग समाज सेवी श्री विजय पुनियॉ ने 1970 में राजस्थान विश्वविद्यालय के पास श्री के एम सहाय आईएएस के बगले को 750 रुपये में किराये लेकर व्यक्तिगत स्तर पर कॉलेज विद्यार्थियों के लिए छात्रावास आरम्भ किया। इसी दौरान श्री मोती लाल चौधरी एवं श्री विजय पुनियॉ की मुलाकात हुई एवं छात्रावास के बारे में चर्चा हुई। श्री पुनियॉ ने स्वाधीन छात्रावास में कब्जा कर बड़े असामाजिक तत्वों को भगाकर 1972 में स्वाधीन छात्रावास अपने कब्जे में लेकर पूर्व में किराये के कमरों में चल रहे छात्रावास को इसमें स्थानान्तरित कर दिया। उक्त छात्रावास 1959 से 1972 तक श्री मोतीलाल चौधरी विधायक द्वारा चलाया गया जिसमें रहकर कई विद्यार्थियों ने भविष्य उज्ज्वल बनाया। इसके बाद श्री पुनियॉ ने 1972 में उक्त छात्रावास का प्रबंधन अपने हाथ में ले लिया एवं तब से इस छात्रावास कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद पर आसीन है। छात्रावास के कमरों में विश्वविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए अच्छी सुविधा थी। उक्त छात्रावास की जमीन पर श्री पुनियॉ के अधीन थी, लेकिन उसका पट्टा नहीं होने के कारण उक्त जमीन का मुकदमा न्यायालय में चला। जिसमें छात्रावास की तरफ से पूरी पैरवी श्री पुनियॉ द्वारा की गयी। सन् 2003 में उक्त कैस में छात्रावास के हक में फैसला आ गया एवं उसी आधार पर जेडीए जयपुर द्वारा 04.01.2005 में 2634 वर्गगज का पट्टा श्री विजय पुनियॉ को अध्यक्ष स्वाधीन छात्रावास समिति के नाम पर जारी कर दिया। चूँकि उक्त भूमि पर बनी छात्रावास का भवन बहुत पुराना एवं जर्जर अवस्था में था इसलिए नगर निगम के नोटिस पर 2010—11 में पुरानी बिल्डिंग को गिरा दिया। इसके बाद इस बेशकीमती एवं मौके की जमीन का सदुपयोग करने की योजना बनाकर इस पर बालिका छात्रावास बनाने का निर्णय किया। स्वाधीन छात्रावास विकास समिति की कार्यकारिणी की मिटींग श्री पुनियॉ द्वारा बुलाई जाकर निर्णय किया कि श्रीमती आरुषी मलिक आईएएस की अध्यक्षता में महिला पदाधिकारियों की एक कमेटी बनाई जिनके दिशा—निर्देशन में उक्त बालिका छात्रावास का निर्माण एवं संचालन किया जायगा। उक्त छात्रावास भवन के लिए नक्शा बनवाया जाकर जेडीए द्वारा पास किया जा चुका है एवं शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा।

### 3. कार्यकारिणी —

